अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 20/11/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 100

सूचना : 1) प्रश्न क्र. 2 अनिवार्य है ।
2) अन्य छः प्रश्नों में से चार प्रश्न हल किजिए ।
3) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 अ) बहुपर्यायी प्रश्न (विकल्पीय) । (10)

1) ताल के दशप्राण का अध्ययन कौनसे ग्रंथ में प्राप्त होता है ?
(A) नाट्यशास्त्र (B) संगीत रत्नाकर
(C) अमर कोश (D) संगीत मकरंद

2) 'गत अंग' से बजनेवाला रेला, इस रचनाप्रकार को क्या कहते है ?
(A) गत-रेला (B) गतांग रेला
(C) रेला गत (D) इनमें से कोई नही ।

3) निम्न में से अविस्तारक्षम रचना कौनसी है ?
(A) लग्गी (B) रौ
(C) लडी (D) इनमें से कोई नही ।

4) 5/4 यानी कौनसी लयकारी ?
(A) आड (B) कुआड
(C) बिआड (D) पौनगुन

5) निम्न में से कौनसा पखावज का घराना है ?
(A) दिल्ली (B) ललियाना
(C) बनारस (D) पंजाब

6) तेवरा की बिआड आवर्तन में एक ही बार बोलकर सम पर आने हेतु कौनसी मात्रा से शुरु होगी ?
(A) 4 (B) 5
(C) 6 (D) इनमें से कोई नहीं ।

7) जब एक मात्रा काल में 'नो (9)' लघु अक्षरों का प्रयोग किया जाता है, तब उसे क्या कहते है ?

(A) खंड जाति (B) संकिर्ण जाती

(C) मिश्र जाती (D) तिस्त्र जाति

8) जयताल में बेदम तिहाई बनाने हेतु तिहाई का एक पल्ला ('धा' सहित) कितनी मात्राओं का होगा ?

(A) $4\frac{1}{2}$ (B) $5\frac{1}{2}$

(C) 3 (D) 4

9) 'तबला एवं पखावज वादन के घराने एवं परंपराएँ' ग्रंथ के रचयिता कौन है?

(A) पं. गिरिशचंद्र श्रीवास्तव (B) स्वामी पागलदास

(C) पं.अरविंद मुळगांवकर (D) डॉ. आबान मिस्त्री

10) धमार ताल में गायें हुए धृपद–गायन को क्या कहते है ?

(A) धमार (B) धृपद

(C) ख्याल (D) टप्पा

ब) **सही जोडियाँ मिलाये।** **(10)**

1) मृदंग अंक	सा) कथ्थक
2) 'ठेका–पलटा'	रे) कमाली चक्रदार
3) स्त्रोतावहा	ग) विस्तारक्षम रचना
4) चौधारी	म) संगीत कार्यालय, हाथरस
5) पौन गुन	प) सातगुन
6) 27 'धा'	ध) गत
7) परन	नि) लखनौ
8) आमद	सां) यति
9) एक आवर्तन में 7 आवर्तन	रें) $\frac{3}{4}$ लयकारी
10) पेशकार	गं) खुला बाज

प्र. 2 लिपिबद्ध । (कोई भी चार) (5X4=20)

अ) झपताल / सूलताल मे एक चक्रदार

ब) तीनताल की आड लय एक ही आवर्तन में

क) सोलह मात्रा की ताल मे एक चौपल्ली

ड) बारह मात्राकी ताल मे अजराडा घराने का एक कायदा, उसके दो प्रकार तथा तिहाई

इ) सात मात्राकी ताल मे एक रेल, उसके दो प्रकार तखा तिहाई

प्र. 3 लयकारीयों के विविध प्रकारोंकी जानकारी देते हुए (10+10=20)
किन्हीं दो लयकारीयोंको सोदाहरण समझाईये ।

प्र. 4 उत्तर तथा दक्षिण भारतीय संगीत मे प्रयुक्त होनेवाले (20)
विविध तालवाद्योंकी सचित्र जानकारी दिजिये ।

प्र. 5 संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये (किन्ही दो पर) (20)

अ) तबला / पखावज वादकोंके गुणदोष

ब) स्वतंत्र तबला / पखावज वादन की बढती लोकप्रियता

क) ताल के बिना संगीत अधुरा है ।

प्र. 6 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपने विचार (20)
स्पष्ट करें ।

अ) स्वतंत्र वादन तथा साथसंगत इन मे भेद

ब) तबला / पखावज वादन मे रियाज का अनन्यसाधारण स्थान–सोदाहरण समझाईये

प्र. 7 सोदाहरण परिभाष लिखिये । (कोई भी चार) (5X4=20)

अ) कमाली चक्रदार

ब) उठान

क) नौहक्का

ड) त्रिपल्ली

इ) तिस्र तथा चतस्र जाती